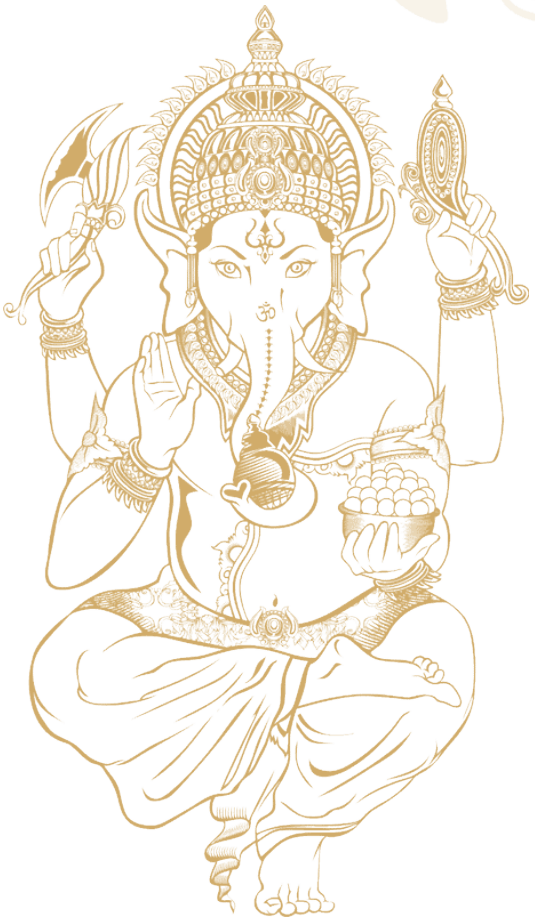

09 Apr 2026

08:47 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121881703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/04/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:47:00 घंटे**
इष्ट	36:50:53 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:25:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:37 घंटे
साम्पातिक काल	09:37:24 घंटे
सूर्योदय	06:02:38 घंटे
सूर्यास्त	18:43:22 घंटे
दिनमान	12:40:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:33:13 मीन
लग्न के अंश	22:59:24 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शिव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	22:59:24	307:26:25	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			मीन	25:33:13	00:58:56	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	19:18:09	11:59:30	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मीन	05:38:03	00:46:44	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
बुध			कुंभ	28:31:19	01:13:28	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	22:13:22	00:05:21	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	18:01:36	01:13:33	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:23:25	00:07:22	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:50:09	00:01:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:50:09	00:01:14	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:55:50	00:02:53	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:17:56	00:02:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:06:52	00:00:45	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	27:45:28	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

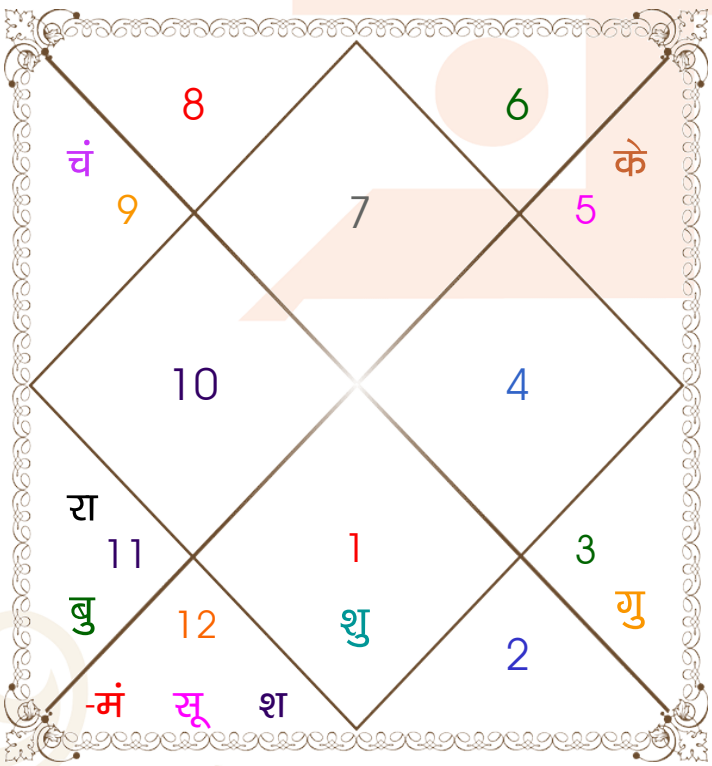

चन्द्र कुंडली

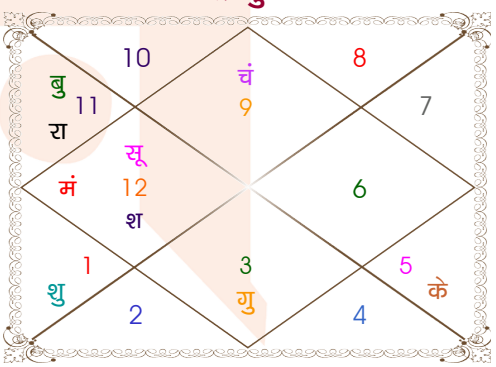

नवमांश कुंडली

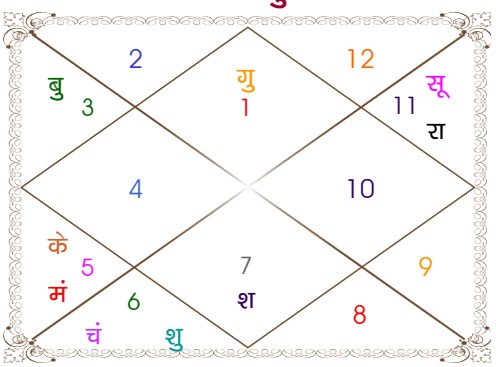

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 0 मास 16 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/04/2026		26/04/2037		27/04/2043		26/04/2053		26/04/2060	
26/04/2037		27/04/2043		26/04/2053		26/04/2060		26/04/2078	
	00/00/0000	सूर्य	14/08/2037	चंद्र	25/02/2044	मंगल	22/09/2053	राहु	07/01/2063
	00/00/0000	चंद्र	12/02/2038	मंगल	25/09/2044	राहु	11/10/2054	गुरु	02/06/2065
	00/00/0000	मंगल	20/06/2038	राहु	27/03/2046	गुरु	17/09/2055	शनि	08/04/2068
	09/04/2026	राहु	15/05/2039	गुरु	27/07/2047	शनि	25/10/2056	बुध	26/10/2070
राहु	26/06/2027	गुरु	02/03/2040	शनि	24/02/2049	बुध	23/10/2057	केतु	13/11/2071
गुरु	24/02/2030	शनि	12/02/2041	बुध	27/07/2050	केतु	21/03/2058	शुक्र	13/11/2074
शनि	26/04/2033	बुध	19/12/2041	केतु	25/02/2051	शुक्र	21/05/2059	सूर्य	08/10/2075
बुध	25/02/2036	केतु	26/04/2042	शुक्र	25/10/2052	सूर्य	26/09/2059	चंद्र	08/04/2077
केतु	26/04/2037	शुक्र	27/04/2043	सूर्य	26/04/2053	चंद्र	26/04/2060	मंगल	26/04/2078

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/04/2078		26/04/2094		27/04/2113		27/04/2130		27/04/2137	
26/04/2094		27/04/2113		27/04/2130		27/04/2137		00/00/0000	
गुरु	13/06/2080	शनि	29/04/2097	बुध	24/09/2115	केतु	23/09/2130	शुक्र	27/08/2140
शनि	26/12/2082	बुध	07/01/2100	केतु	20/09/2116	शुक्र	24/11/2131	सूर्य	27/08/2141
बुध	02/04/2085	केतु	16/02/2101	शुक्र	22/07/2119	सूर्य	30/03/2132	चंद्र	28/04/2143
केतु	09/03/2086	शुक्र	18/04/2104	सूर्य	27/05/2120	चंद्र	29/10/2132	मंगल	27/06/2144
शुक्र	07/11/2088	सूर्य	31/03/2105	चंद्र	27/10/2121	मंगल	28/03/2133	राहु	10/04/2146
सूर्य	26/08/2089	चंद्र	30/10/2106	मंगल	24/10/2122	राहु	15/04/2134		00/00/0000
चंद्र	26/12/2090	मंगल	09/12/2107	राहु	12/05/2125	गुरु	22/03/2135		00/00/0000
मंगल	02/12/2091	राहु	15/10/2110	गुरु	18/08/2127	शनि	30/04/2136		00/00/0000
राहु	26/04/2094	गुरु	27/04/2113	शनि	27/04/2130	बुध	27/04/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 0 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।